**केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दक्षिण आंचलिक कार्यालय, बेंगलूरू - 560 010**

**विषय : हिन्दी दिवस आयोजन 2014 - संक्षिप्त रिपोर्ट**

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दक्षिण आंचलिक कार्यालय, बेंगलूरू ने दिनांक 01-10-14 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया | पूर्वाह्न 10.00 बजे श्री एस. सुरेश, आंचलिक अधिकारी ने समारोह का उदघाटन किया |

1. प्रार्थना गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हिन्दी दिवस आयोजन कार्यक्रम की शुरुआत हुई | श्री एस. सुरेश, आंचलिक अधिकारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया | उन्होंने अपने स्वागत भाषण में सरकारी कार्यालयों में हिन्दी में काम करने एवं हिन्दी की प्रगति बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में जोर दिया | हिन्दी भाषा की महत्व एवं हिन्दी दिवस आयोजित करने की आवश्यकता के बारे में उन्होंने जोर दिया | आंचलिक अधिकारी ने निदेश दिया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों अंग्रेज़ी के साथ साथ जितना भी संभव हो अपने कार्यालय के दैनिक काम काज में कुछ सरल टिप्पण, पत्राचार, हस्ताक्षर आदि के प्रयोग से हिन्दी की प्रगती एवं बढ़ावा केलिए कोशिश करें एवं अपने हिन्दी सुधारें | उन्होंने बोला कि राजभाषा के विकास में सभी व्यक्तिगत रूप से रुचि लेंगे एवं स्व प्रेरणा के आधार पर हिन्दी में कार्य करेंगे | इसी संदर्भ में आंचलिक अधिकारी ने हिन्दी दिवस केलिए शुभकामनाएं देकर एक संदेश दिया जिसका प्रति संलग्न है | अपने संदेश द्वारा भी उन्होंने अनुरोध किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों हिन्दी की अधिकाधिक उपयोग करके स्वप्रेरणा से काम करेंगे ।

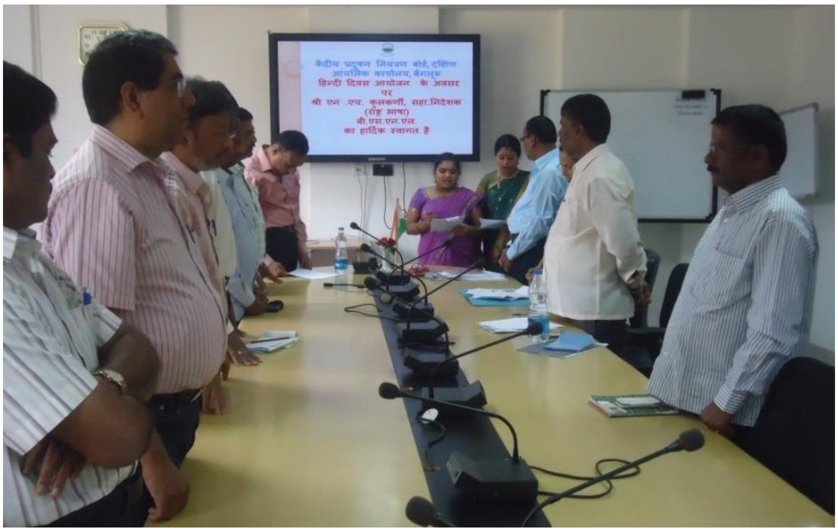


2. श्री एन. एच. कुलकर्णी, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, टेलेफोन हाउस, बेंगलूरु (आमंत्रित निर्णायक) ने अपने भाषण में राजभाषा हिन्दी के महत्व एवं कार्यान्वयन, विशेषकर केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिन्दी की ज्यादा से ज्यादा प्रयोग, हिन्दी की विकास एवं प्रगती केलिए कर्मचारियों की व्यक्तिगत रुचि बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में सूचना दिया | सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों हिन्दी में अपना ज्ञान बढ़ाने की कोशिश जारी रखने के लिए उन्होंने प्रेरित किया | हिन्दी की विकास केलिए भारत सरकार जो प्रोत्साहन दे रहा है वह इस्तेमाल करने केलिए उन्होंने अपने भाषण में सभी को अनुरोध किया | प्रतियोगिताओं में सभी का उत्सुकता एवं सक्रिय भागीदारी में और इस कार्यालय की अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यज्ञान के बारे में और हिन्दी की प्रगती में उन्होंने संतोष प्रकट किया |

हिन्दी दिवस की प्रतियोगिताओं शूरु होने से पहले श्री एन. एच. कुलकर्णी, आमंत्रित निर्णायक ने बोला कि सभी को हिन्दी नहीं आती मानसिकता बतलाना चाहिए तब हिन्दी की प्रयोग अपने आप आएगा । सरल शब्दों का प्रयोग दैनिक काम में अधिकाधिक उपयोग करके अपने हिन्दी सुधारने की कोशिश जारी रखने केलिए उन्होंने सुझाव दिया ।

3. हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों केलिए हिन्दी संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं आयोजित करने केलिए एवं विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करने से संबंधित अनुमोदन प्रधान कार्यालय से लिया गया था | प्रधान कार्यालय के निदेशानुसार कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने हिन्दी प्रवीणता के अनुसार 'क' और 'ख' दो वर्ग में बांटा गया | दोनों वर्गों हेतु निम्नलिखित तीन प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी :

(क) आलेखन और टिप्पण

(ख) भाषण

(ग) कविता पाठ

पुरस्कार : दोनों वर्गों में तीनों प्रतियोगिताओं के लिए कुल 5 पुरस्कार - प्रथम (रुपये 1000/- ), द्वितीय (रु. 700/-) तृतीय (रु. 500/-) एवं दो सांत्वना (रु. 300/-) प्रधान कार्यालय के अनुमोदनार्थ निर्धारित किए गए |

4. हिन्दी दिवस समारोह में आयोजित की गयी विविध प्रतियोगिताओं केलिए निर्णायक मंडल में श्री एन. एच. कुलकर्णी, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, टेलेफोन विभाग, बैंगलूरु, (आमंत्रित निर्णायक), एवं आंचलिक अधिकारी श्री एस. सुरेश ने उपस्थित रहे | आंचलिक अधिकारी के मार्गदर्शन से श्रीमती मेरी अलेक्जेंडर, निजी सचिव ने कार्यक्रम समन्वित किया |

5. निर्णायक मंडल ने विजेताओं की घोषण किया तथा पुरस्कार श्री एस. सुरेश, आंचलिक अधिकारी द्वारा वितरित किया गया |

6. कार्यक्रम के अंत में श्री एस. सुरेश, आंचलिक अधिकारी ने सूचना दिया कि हिन्दी दिवस आयोजन कार्यक्रम सिर्फ हिन्दी दिवस न बनकर रह जाए बल्कि इसकी सार्थकता पूर्ण करने केलिए सभी व्यक्तिगत रूप से रुचि लेके राजभाषा के विकास केलिए कोशिश करें | हिन्दी की प्रगति एवं बढ़ावा केलिए और अपने दैनिक काम में हिन्दी सुधारने एवं आसान बनाने केलिए कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों केलिए जल्दी से जल्दी एक हिन्दी कार्यशाला की आयोजन करने केलिए आंचलिक अधिकारी ने निर्देश दिए । सभी के सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग केलिए आंचलिक अधिकारी द्वारा सभी को धन्यवाद प्रदान करके समारोह की समाप्ती की घोषण की गयी |

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
हिन्दी दिवस आयोजन
अक्टूबर 01, 2014

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
दक्षिण आंचलिक कार्यालय, बेंगलूरु
हिन्दी दिवस

BANGALORE PRESS
SAMSUNG